ONLYIAS
BY PHYSICS WALLAH

BPSC WALLAH

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

प्रारंभिक तथा मुख्य परीक्षा हेतु एक समग्र
शिक्षण शृंखला

विषय-सूची

1. भारत का भूगोल: एक परिचय 1

2. भारत की भूवैज्ञानिक संरचना.....12

3. भारत का भौतिक भूगोल 23

4. भारत: अपवाह-तंत्र 62

5. भारत की जलवायु 106

6. भारत की मृदा 136

7. भारत की प्राकृतिक वनस्पति 155

8. प्राकृतिक आपदाएँ.....179

9. परिशिष्ट 206

1 भारत का भूगोल: एक परिचय

भारत एक व्यापक भौगोलिक विविधता वाला देश है। अपने उत्तर में यह ऊँचे हिमालय से घिरा है जबकि पश्चिम में अरब सागर, पूर्व में बंगाल की खाड़ी और दक्षिण में हिंद महासागर भारतीय प्रायद्वीप को घेरे हुए हैं। **कर्क रेखा (23° 30' N)** देश को लगभग **दो समान भागों में विभाजित** करती है। मुख्य भूमि के दक्षिण-पूर्व में बंगाल की खाड़ी में अंडमान और निकोबार द्वीप तथा दक्षिण-पश्चिम में अरब सागर में लक्षद्वीप द्वीप-समूह स्थित हैं।

भारत का क्षेत्रफल लगभग **3.28 मिलियन वर्ग कि.मी.** है, जो **विश्व के कुल भौगोलिक क्षेत्र** का लगभग **2.4 प्रतिशत** है। भारत, क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व का **सातवाँ सबसे बड़ा देश** है। संयुक्त राष्ट्र के आँकड़ों के अनुसार, **वर्ष 2023 में चीन को पीछे छोड़कर जनसंख्या के आधार पर सबसे बड़ा देश बन गया है।**

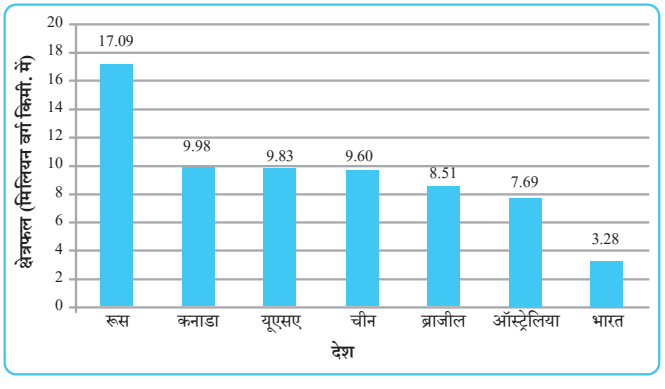

चित्र 1.1: विश्व के सबसे बड़े देशों का क्षेत्रफल

भारतीय मुख्य भूमि का विस्तार उत्तर से दक्षिण में कश्मीर से कन्याकुमारी तक है तथा **8°4' उत्तरी अक्षांश और 37°6' उत्तरी अक्षांश** के मध्य फैला हुआ है। पूर्व से पश्चिम में विस्तार क्रमशः अरुणाचल प्रदेश से गुजरात तक है तथा **68°7' पूर्व और 97°25' पूर्व देशांतर** के बीच फैला हुआ है।

भारत की स्थलीय सीमा लगभग **15,200 कि.मी.** है तथा अंडमान और निकोबार एवं लक्षद्वीप सहित मुख्य भूमि के समुद्र तट की **कुल लंबाई 7,516.6 कि.मी.** है। इसके अलावा इसकी **प्रादेशिक सीमा, तट से समुद्र की ओर 12 समुद्री मील (लगभग 21.9 कि.मी.) तक** फैली हुई है।

1.1 भारत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

'इंडिया' नाम की उत्पत्ति इंडस नदी से हुई है। इंडस नदी, जिसे संस्कृत में सिंधु के नाम से जाना जाता है, ने यहाँ के प्रारंभिक इतिहास में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्राचीन फारसी और यूनानी सभ्यताओं में सिंधु नदी के पार की भूमि को 'हिंद' या 'इंडोई' कहा जाता था और यह शब्द अंततः **'इंडिया'** के रूप में विकसित हुआ।

देश का प्राचीन **संस्कृत नाम 'भारत'** है, जो एक पौराणिक राजा 'भरत' से लिया गया है, जो हिंदू पौराणिक कथाओं में एक प्रमुख पात्र है। भारत नाम का प्रयोग देश के आधिकारिक संस्कृत नाम, **'रिपब्लिक ऑफ इंडिया'** या **'भारत गणराज्य'** में किया जाता है।

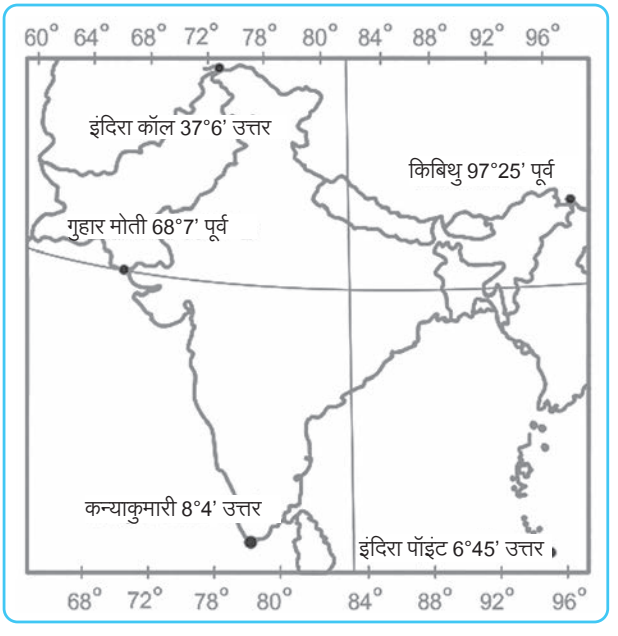

चित्र 1.2: भारत का क्षेत्रीय विस्तार

अवस्थिति

- भारत उत्तरी और पूर्वी गोलार्द्ध में **8°4' से 37°6' उत्तरी अक्षांश** तथा **68° 7' से 97° 25' पूर्वी देशांतर** के मध्य स्थित है। **अरुणाचल प्रदेश** में स्थित **किबिथु** भारत का सबसे **पूर्वी बिंदु** है तथा **गुजरात** में स्थित **गुहार मोती** सबसे **पश्चिमी बिंदु** है।

महत्वपूर्ण तथ्य

- बेंगलुरु, दिल्ली के सबसे निकट देशांतर पर स्थित है।
- सिक्किम से होकर गुजरने वाला अक्षांश राजस्थान से भी होकर गुजरता है।
- **मैंगलोर और चेन्नई** एक ही अक्षांश पर हैं परन्तु इन दोनों शहरों में अलग-अलग माह में वर्षा होती है।
- **अमृतसर और शिमला** समान अक्षांश पर स्थित हैं फिर भी शिमला अमृतसर से ठंडा है क्योंकि यह अधिक ऊँचाई पर है।

- **लद्दाख क्षेत्र** में स्थित **इंदिरा कॉल** सबसे **उत्तरी बिंदु** है और **निकोबार द्वीप** पर स्थित देश का सबसे दक्षिणी बिंदु **पिग्मेलियन पॉइंट या इंदिरा पॉइंट** है।
- भारत की **मुख्य भूमि का दक्षिणतम बिंदु** तमिलनाडु के कन्याकुमारी में स्थित **केप कैमोरिन** है।

- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह** बंगाल की खाड़ी में भारतीय मुख्य भूमि के **दक्षिण-पूर्व में स्थित** है और भारतीय मुख्य भूमि के **दक्षिण-पश्चिम में अरब सागर में लक्षद्वीप द्वीप समूह** स्थित है।

कर्क रेखा

- कर्क रेखा अक्षांश के उन **पाँच प्रमुख वृत्तों में से एक** है, जो पृथ्वी के मानचित्र को निर्धारित करती हैं। यह एक काल्पनिक रेखा है, जो भूमध्य रेखा से लगभग **23.5° उत्तर में स्थित** है।
- इसका अर्थ है कि यह पृथ्वी पर सबसे उत्तरी बिंदु है जहाँ जून संक्रांति/ग्रीष्म संक्रांति के दौरान, सूर्य आकाश में सीधे सिर के ऊपर दिखाई देता है।
- **कर्क रेखा** भारत के निम्नलिखित **8 राज्यों से होकर** गुजरती है- गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा तथा मिजोरम।

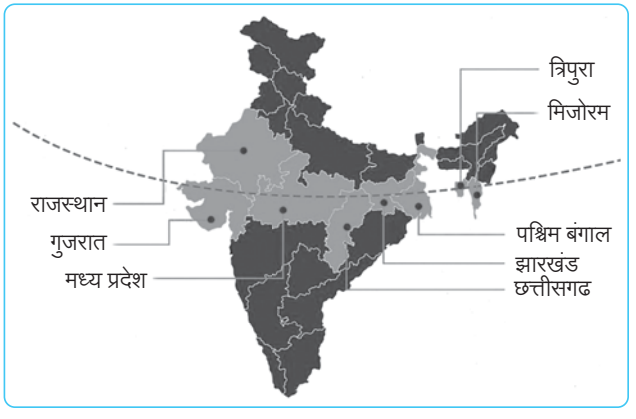

चित्र 1.3: वे राज्य जहाँ से कर्क रेखा गुजरती है

भारत की मानक मध्याह्न रेखा

- यह **82.5° पूर्वी देशांतर रेखा** है तथा यह भारतीय मानक समय (आईएसटी) के लिए सांकेतिक देशांतर रेखा है, जो पूरे भारत और श्रीलंका में स्वीकार्य आधिकारिक समय है।
- भारत की मानक मध्याह्न रेखा **उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर से होकर** गुजरती है।

मानक मध्याह्न निम्न राज्यों से होकर गुजरती हैं -

- उत्तर प्रदेश
- मध्य प्रदेश
- छत्तीसगढ़
- ओडिशा
- आंध्र प्रदेश

आकृति और आकार

- लगभग **32,87,263 वर्ग किलोमीटर** के कुल **भौगोलिक क्षेत्रफल** के साथ भारत, **पृथ्वी के कुल क्षेत्रफल का 0.57 प्रतिशत** और **पृथ्वी पर कुल भू-भाग का 2.4 प्रतिशत** है।
- उत्तर से दक्षिण अर्थात **कश्मीर के इंदिरा कॉल से कन्याकुमारी तक** की दूरी **3,214 कि.मी.** है। पूर्व से पश्चिम यानी **कच्छ के रण से अरुणाचल प्रदेश** की दूरी **2,933 कि.मी.** है।
- देश की उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम सीमा के मध्य **281 कि.मी. का अंतर** इस तथ्य पर आधारित है कि **दो देशांतरों के मध्य की दूरी ध्रुवों की ओर कम हो जाती है** जबकि **दो अक्षांशों के मध्य की दूरी प्रत्येक स्थान पर समान पर रहती है।**

प्राचीन रेशम मार्ग और भारत

- प्राचीन रेशम मार्ग भारत को मध्य एशिया और उससे आगे से जोड़ता था, जिससे भारतीय उपमहाद्वीप और रेशम मार्ग के किनारे पर अवस्थित क्षेत्रों के बीच वस्तुओं, विचारों तथा संस्कृतियों के आदान-प्रदान की सुविधा मिलती थी।
- प्राचीन रेशम मार्ग में अवस्थित कई प्रमुख स्थानों ने व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **तक्षशिला (वर्तमान पाकिस्तान में):** व्यापार और शिक्षा का एक महत्वपूर्ण केंद्र, तक्षशिला भारत को रेशम मार्ग से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण जंक्शन था।
- **वाराणसी (बनारस):** प्राचीन भारत का एक प्रमुख सांस्कृतिक और धार्मिक केंद्र, वाराणसी रेशम मार्ग से जुड़ा हुआ था, जो व्यापारियों और यात्रियों को आकर्षित करता था।
- **मथुरा:** अपनी कला और वाणिज्य के लिए प्रसिद्ध, मथुरा ने रेशम मार्ग पर एक व्यापारिक केंद्र और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में कार्य किया।
- **पाटलिपुत्र (आधुनिक पटना):** मौर्य और गुप्त साम्राज्य की राजधानी, पाटलिपुत्र ने व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **उज्जैन:** एक प्राचीन शहर और एक महत्त्वपूर्ण व्यापार केंद्र के रूप में, उज्जैन ने रेशम मार्ग के साथ आर्थिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में योगदान दिया।

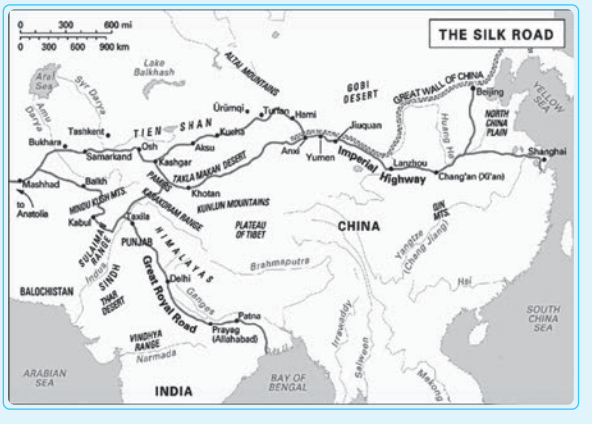

चित्र 1.4: प्राचीन रेशम मार्ग

- इन मार्गों ने पड़ोसी क्षेत्रों के साथ भारत के ऐतिहासिक संबंधों को आकार दिया और इसके संपूर्ण इतिहास में व्यापार, प्रवासन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रभावित किया। इसके अतिरिक्त राजमार्ग और हवाई अड्डे जैसे आधुनिक परिवहन बुनियादी ढाँचे, भारत को शेष विश्व से जोड़ते हैं।

भारत और पूर्वी दुनिया

पूर्वी दुनिया या व्यापक पूर्वी प्रदेशों के साथ भारत के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध, एशिया और उससे आगे के दोनों क्षेत्रों को शामिल करते हैं। इस संबंध को सदियों के व्यापारिक व सांस्कृतिक आदान-प्रदान तथा पड़ोसी देशों व सुदूर स्थित सभ्यताओं के साथ संपर्क से आकार मिला है।

- **ऐतिहासिक व्यापारिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान:** भारत का पूर्वी दुनिया के साथ व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक समृद्ध इतिहास रहा है, जो रेशम मार्ग जैसे प्राचीन मार्गों से जुड़ा रहा है, जो मध्य एशिया, चीन, दक्षिण-पूर्व एशिया और मध्य-पूर्व के साथ वस्तुओं, विचारों और सांस्कृतिक प्रभावों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है।
- **भारतीय संस्कृति और धर्म का प्रसार:** भारतीय सांस्कृतिक और धार्मिक प्रभाव पूर्वी दुनिया में फैल गया। बौद्ध धर्म, जिसकी उत्पत्ति भारत में हुई, मध्य एशिया, चीन, तिब्बत और दक्षिण-पूर्व एशिया सहित एशिया के विभिन्न हिस्सों में फैल गया। भारतीय कला, वास्तुकला, साहित्य और दर्शन ने भी इन क्षेत्रों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी।
- **सांस्कृतिक प्रसार: 'प्राच्य' की अवधारणा** अक्सर **पूर्वी सभ्यताओं के बीच साझा सांस्कृतिक और दार्शनिक विरासत को प्रदर्शित** करती है। भारत ने विशेष रूप से दर्शन, आध्यात्मिकता और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों से संबंधित विचारों के प्रसार के माध्यम से इस पूर्वी सांस्कृतिक पहचान को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- **आधुनिक राजनयिक एवं आर्थिक संबंध:** समकालीन दौर में, भारत राजनयिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों के माध्यम से पूर्वी दुनिया के साथ जुड़ा हुआ है। चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ द्विपक्षीय संबंध क्षेत्र के भू-राजनीतिक परिदृश्य को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उदाहरण के लिए **लुक-ईस्ट और एक्ट-ईस्ट** जैसी नीतियाँ पूर्वी दुनिया के साथ इन कूटनीतिक सम्बन्धो की ओर इशारा करती हैं।

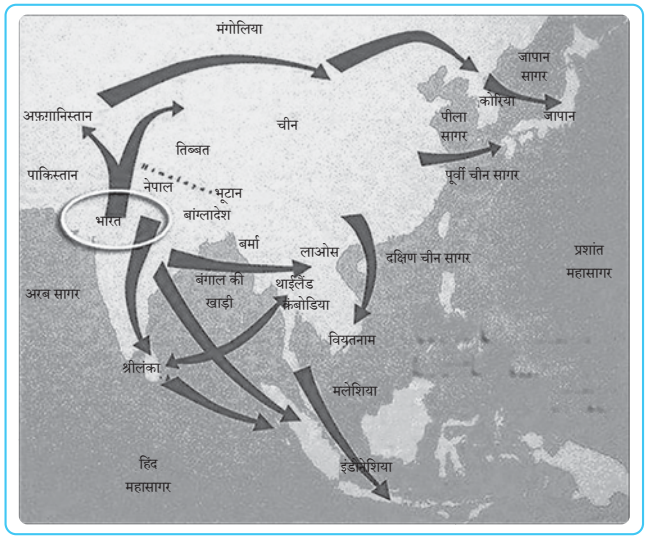

चित्र 1.5: भारत से बौद्ध धर्म का प्रसार

भारतीय राज्य और केंद्र शासित प्रदेश

- भारत, सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के कारण राजनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण है, जिसने अपने भीतर नैतिक, भाषाई, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विविधताओं को समायोजित और समाहित किया है।
- राजनीतिक रूप से भारत **28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों** में विभाजित है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से **राजस्थान सबसे बड़ा राज्य** है, इसके बाद **मध्य प्रदेश** और **महाराष्ट्र** हैं। भारत का **सबसे छोटा राज्य, गोवा** है।
- भारत में **सबसे अधिक आबादी** वाला राज्य **उत्तर प्रदेश** है, इसके बाद **महाराष्ट्र** और **बिहार** का स्थान है।

राज्य

क्रम संख्या	राज्य	राजधानी	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)
1.	राजस्थान	जयपुर	3,42,239
2.	मध्य प्रदेश	भोपाल	3,08,245
3.	महाराष्ट्र	मुंबई	3,07,713
4.	उत्तर प्रदेश	लखनऊ	2,40,928
5.	गुजरात	गांधीनगर	1,96,024
6.	कर्नाटक	बेंगलुरु	1,91,791
7.	आंध्र प्रदेश	अमरावती (पूर्व में हैदराबाद)	1,62,968
8.	ओडिशा	भुवनेश्वर	1,55,707
9.	छत्तीसगढ	रायपुर	1,35,191
10.	तमिलनाडु	चेन्नई	1,30,058
11.	तेलंगाना	हैदराबाद	1,12,077
12.	बिहार	पटना	94,163
13.	पश्चिम बंगाल	कोलकाता	88,752
14.	अरुणाचल प्रदेश	ईटानगर	83,743
15.	झारखंड	राँची	79,714
16.	असम	दिसपुर	78,438
17.	हिमाचल प्रदेश	शिमला, धर्मशाला (शीतकालीन राजधानी)	55,673
18.	उत्तराखंड	देहरादून	53,483
19.	पंजाब	चंडीगढ़	50,362
20.	हरियाणा	चंडीगढ़	44,212
21.	केरल	तिरुवनंतपुरम	38,863
22.	मेघालय	शिलांग	22,429
23.	मणिपुर	इंफाल	22,327
24.	मिजोरम	आइजोल	21,081
25.	नगालैंड	कोहिमा	16,579
26.	त्रिपुरा	अगरतला	10,486
27.	सिक्किम	गंगटोक	7,096
28.	गोवा	पणजी	3,702

केंद्र-शासित प्रदेश

क्रम संख्या	केंद्र-शासित प्रदेश	राजधानी	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)
1.	जम्मू और कश्मीर	श्रीनगर (मई-अक्टूबर), जम्मू (नवंबर-अप्रैल)	42,241
2.	लद्दाख	लेह	45,100

क्रम संख्या	केंद्र-शासित प्रदेश	राजधानी	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)
3.	अंडमान और निकोबार द्वीप	पोर्ट-ब्लेयर	8,249
4.	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली	नई दिल्ली	55,083
5.	दादर और नगर हवेली तथा दमन और दीव	दमन	603
6.	पुदुचेरी	पुदुचेरी	294
7.	चंडीगढ़	चंडीगढ़	114
8.	लक्षद्वीप	कावारत्ती	32

राज्यों की साझा सीमाएँ

- **उत्तर प्रदेश** वह राज्य है जिसकी **सीमा सबसे अधिक राज्यों** अर्थात राजस्थान, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, उत्तराखंड, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ सहित भारत के **आठ राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश को स्पर्श करती है।**
- **असम और छत्तीसगढ़** दोनों **सात राज्यों के साथ** अंतरराज्यीय सीमाएँ साझा करते हैं। असम के साथ पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, त्रिपुरा, नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम सीमाएँ साझा करते हैं। छत्तीसगढ़ के साथ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड, ओडिशा, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश सीमाएँ साझा करते हैं।
- **मेघालय और सिक्किम** दोनों ही ऐसे राज्य हैं, जिनकी **सीमा एक ही राज्य से लगती है।** मेघालय की सीमा उत्तर और उत्तर-पूर्व में असम से लगती है। सिक्किम की सीमा पश्चिम बंगाल से लगती है।

क्या आप जानते हैं ?

कोहिमा से कोट्टायम तक सड़क मार्ग से यात्रा करने के लिए आपको न्यूनतम सात राज्यों से गुजरने की आवश्यकता होगी: नागालैंड- असम- पश्चिम बंगाल- ओडिशा- आंध्र प्रदेश- कर्नाटक या तमिलनाडु तथा केरल।

1.2 भारतीय उपमहाद्वीप

उपमहाद्वीप एक महाद्वीप का वह हिस्सा होता है, जिसकी एक विशिष्ट सांस्कृतिक, राजनीतिक और भौगोलिक पहचान होती है। यह एक विशाल क्षेत्र को भी सम्मिलित करता है, जो एक महाद्वीप से कुछ हद तक कम होता है। इसीलिए, भारत को भी एक उपमहाद्वीप माना जाता है।

भारतीय उपमहाद्वीप में भारत, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका और मालदीव जैसे देश शामिल हैं। ये देश प्रारंभ में भारत का हिस्सा थे, लेकिन राजनीतिक या भौगोलिक कारणों से अलग हो गए। भूवैज्ञानिक दृष्टि से **गोंडवानालैंड महाद्वीप से अलग हुआ भू-भाग भारतीय उपमहाद्वीप से संबंधित है।** भारतीय उपमहाद्वीप **भारतीय टेक्टोनिक प्लेट पर स्थित** है।

भारत को एक महाद्वीप के रूप में निम्नलिखित विशेषताएँ अलग पहचान देती हैं:

- **भौगोलिक विशिष्टता:** भारतीय उपमहाद्वीप उत्तर में हिमालय, दक्षिण में हिंद महासागर, दक्षिण-पश्चिम में अरब सागर और दक्षिण-पूर्व में बंगाल की खाड़ी से घिरा हुआ है। यह भौगोलिक विशेषता इसे यूरेशिया से अलग करती है।
- **विशाल जनसंख्या:** भारत की जनसंख्या विश्व की सबसे बड़ी जनसंख्या में से एक है। भारतीय उपमहाद्वीप के देशों की संयुक्त जनसंख्या एशिया और अफ्रीका को छोड़कर अन्य महाद्वीपों की तुलना में बहुत विशाल है।

भारत की उपर्युक्त सभी विशेषताएँ इसे एशिया के अन्य क्षेत्रों से अलग करती हैं, जिससे यह एशियाई महाद्वीप में एक उपमहाद्वीप बन जाता है।

- **क्षेत्रीय विविधता:** उपमहाद्वीप कई नस्लों, जातियों और धर्मों से समृद्ध है। यह मुख्यतः इसकी भौतिक विशेषताओं के कारण है। हालाँकि, कई मतभेदों के बावजूद मूल रूप से सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन शैली में कई समानताएँ हैं, जो विशिष्ट हैं और इस क्षेत्र को एक अलग उपमहाद्वीप बनाती हैं।
- **वनस्पति और जीव-जंतुओं की विविधता:** उपमहाद्वीप सदाबहार वनों से लेकर अल्पाइन घास के मैदानों तक की वनस्पतियों की एक विस्तृत विविधता से संपन्न है। भारत विश्व के जैव-विविधता वाले हॉटस्पॉट में से एक है। भारतीय उपमहाद्वीप में पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के जंतु इस क्षेत्र के लिए स्थानिक हैं।

चित्र 1.6: भारतीय उपमहाद्वीप का मानचित्र

1.3 भारत एक उष्णकटिबंधीय देश है या समशीतोष्ण?

भारत की जलवायु एक **उष्णकटिबंधीय देश** की जलवायु के समदृश्य है, हालाँकि, कर्क रेखा के उत्तर का क्षेत्र अर्थात समशीतोष्ण भाग उष्णकटिबंधीय भाग के क्षेत्रफल से दुगुना है।

- इसका मुख्य कारण यह है कि उच्च हिमालय भारतीय उपमहाद्वीप को शेष एशिया से अलग करता है और मध्य एशिया से दक्षिण की ओर जाने वाली समशीतोष्ण वायुराशियों के लिए एक बाधक के रूप में भी कार्य करता है। परिणामस्वरूप, समान अक्षांशों पर स्थित अन्य क्षेत्रों की तुलना में भारत का उत्तरी भाग 3°C से 8°C तक गर्म है।
- ग्रीष्म ऋतु में सूर्य के सिर के ऊपर स्थित होने के कारण देश के दक्षिणी भागों की जलवायु विषुवतीय शुष्क जलवायु के समान होती है।

- **उत्तरी मैदान ग्रीष्म ऋतु में प्राय: 'लू' से प्रभावित रहते हैं।** 'लू' एक गर्म शुष्क हवा है जो तापमान को बढ़ाती है। इस प्रकार संपूर्ण भारत, जो कि हिमालय के दक्षिण में स्थित है, की जलवायु उष्णकटिबंधीय है।

कुल मिलाकर, **भारत** को मुख्य रूप से **उष्णकटिबंधीय जलवायु** वाला देश माना जा सकता है, लेकिन इसकी विविध भौगोलिक विशेषताओं के कारण इसमें **समशीतोष्ण और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र** भी शामिल हैं। जलवायु में पाई जाने वाली इस विविधता का देश के विभिन्न हिस्सों में कृषि एवं पारिस्थितिकी तंत्र के साथ-साथ समग्र जीवन शैली पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

1.4 देशांतरीय विस्तार

भारत की देशांतरीय सीमा से यह देखा जा सकता है कि **देश की पूर्वी और पश्चिमी सीमा के मध्य लगभग 30 डिग्री का अंतर** है। इसके परिणामस्वरूप देश के इन अंतिम बिंदुओं के मध्य समय में लगभग **दो घंटे का अंतर** आ जाता है। पृथ्वी अपने **अक्ष पर 24 घंटे में 360° घूमती** है। इस प्रकार, **1° देशांतर का अंतर समय में 4 मिनट** के समान होता है। इसलिए सबसे पश्चिमी बिंदु और सबसे पूर्वी बिंदु के बीच स्थानीय समय में अंतर की गणना $30 \times 4 = 120$ मिनट या 2 घंटे के रूप में की जाती है।

दो घंटे के अंतर के बावजूद, भारत के सबसे पूर्वी और सबसे पश्चिमी हिस्सों में घड़ियाँ एक ही समय दिखाती हैं क्योंकि पूरे भारत में भारतीय मानक समय का पालन किया जाता है।

(***असम में,*** *चाय बागान एक अलग टाइम जोन का अनुसरण करते हैं, जिसे* ***चायबागान*** *या* ***बागान समय*** *(चाय बागान समय) के रूप में जाना जाता है, जो आईएसटी से एक घंटा आगे है।)*

1.5 भारत की सीमाएँ

भारत तीन तरफ से समुद्र से घिरा हुआ है। इसकी **स्थलीय सीमा 15,106.7 किलोमीटर** है और इसकी **तटीय सीमा 7,516 किलोमीटर** (लक्षद्वीप तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह सहित) लंबी है।

भारत में **छह राज्यों:** मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, दिल्ली, हरियाणा और तेलंगाना **को छोड़कर** सभी राज्यों और क्षेत्रों की सीमा दूसरे देश या समुद्र को स्पर्श करती है।

चित्र 1.7: पड़ोसी देशों के साथ भारत की स्थलीय सीमा

भारत निम्न देशों के साथ स्थलीय सीमा साझा करता:

- उत्तर-पश्चिम में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के साथ।
- उत्तर में चीन (तिब्बत), **नेपाल** और भूटान के साथ।
- पूर्व में म्यांमार और बांग्लादेश के साथ।
- भारत की समुद्री सीमा श्रीलंका और मालदीव से लगती है।

भारत के साथ लंबाई में सबसे लंबी से सबसे छोटी सीमा साझा करने का क्रम निम्न प्रकार है: बांग्लादेश (4,096 **कि.मी.**) > चीन > पाकिस्तान > नेपाल > म्यांमार > भूटान >अफगानिस्तान (106 **कि.मी.**)

भारत-चीन सीमा

- भारत **3,488 किलोमीटर** की लंबाई के साथ **चीन के साथ दूसरी सबसे लंबी सीमा** साझा करता है। चीन, भारत का लंबाई के आधार पर दूसरा सबसे बड़ा पड़ोसी देश है। **पाँच राज्य** अर्थात् अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर की सीमा चीन से लगती है।

चीन के साथ भारत की सीमा को तीन क्षेत्रों में बाँटा गया है:

- **पश्चिमी क्षेत्र:** यह सीमा जम्मू-कश्मीर और चीन के सिंकियांग (झिंजियांग) प्रांत के मध्य स्थित है। इस क्षेत्र में **विवाद अक्साई चिन जिले, चांगमो घाटी, पैंगोंग त्सो और उत्तर-पूर्व लद्दाख के स्पॉन्गर त्सो क्षेत्र को लेकर** है।

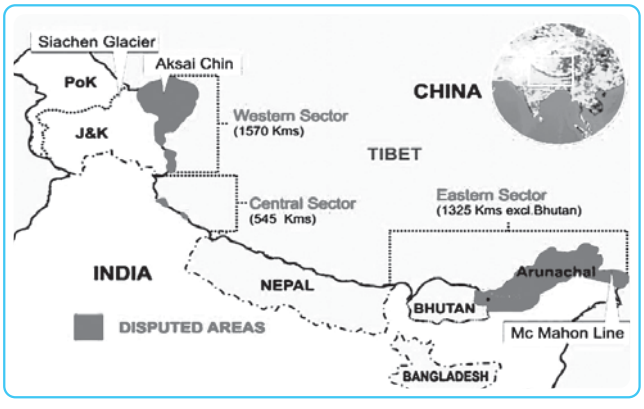

चित्र 1.8: भारत और चीन के बीच विवादित क्षेत्र

  - **वर्ष 1865 में प्रस्तावित जॉनसन रेखा ,** जम्मू और कश्मीर में अक्साई चिन को भारतीय नियंत्रण में निर्दिष्ट करती है। इसके विपरीत वर्ष **1893 में प्रस्तावित मैकडॉनल्ड रेखा ,** अक्साई चिन को चीनी नियंत्रण में दर्शाती है।
  - **भारत का दावा** है कि जॉनसन रेखा चीन के साथ सटीक और सही राष्ट्रीय सीमा का प्रतिनिधित्व करती है। **इसके विपरीत चीन का दावा** है कि मैकडॉनल्ड्स रेखा भारत के साथ सही सीमा है।
  - **वर्तमान में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC)** सीमा के रूप में कार्य करती है, जो जम्मू और कश्मीर के भारतीय क्षेत्रों को अक्साई चिन से अलग करती है। LAC अक्साई चिन के लिए चीनी दावे की रेखा के समानांतर है।
- **मध्य क्षेत्र:** इस क्षेत्र में उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश, चीन के कब्जे वाले तिब्बती क्षेत्र की सीमा को स्पर्श करते हैं।
  - यहाँ भारत की चीन के साथ लगभग 625 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है, जिसे सबसे कम विवादित क्षेत्र माना जाता है।

- **पूर्वी क्षेत्र:** इस क्षेत्र की सीमा रेखा को **मैकमोहन रेखा** के नाम से जाना जाता है। यह वर्ष **1913-14 में तिब्बत और ब्रिटेन के मध्य शिमला समझौते में हुए सीमा समझौते का परिणाम** था। हालाँकि, चीन इस सीमा रेखा को नहीं मानता है। यह सीमा **भूटान के सबसे पूर्वी किनारे /छोर से लेकर भारत, तिब्बत और म्यांमार की सीमा पर दीफू दर्रा (तालु दर्रा) के पास एक बिंदु तक** विस्तृत है।
  - **प्राथमिक विवाद** अरुणाचल प्रदेश की तवांग घाटी के आसपास बना रहता है।
  - **एक अन्य केंद्र बिंदु चुंबी घाटी है,** विशेष रूप से डोकलाम ट्राई-जंक्शन, जो भारत और भूटान द्वारा साझा किया जाता है।

भारत-नेपाल सीमा

- भारत और नेपाल के मध्य **1,751 किलोमीटर लंबी** सीमा है। **पाँच भारतीय राज्य** अर्थात् उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम, नेपाल के साथ सीमा साझा करते हैं।
- यह एक यात्रा अनुमति वाली सीमा (Porous Border) है जिसका अर्थ है कि भारत और नेपाल के बीच लोगों और सामानों की आवाजाही बिना किसी प्रतिबंध के होती है।
- यह सीमा तराई बेल्ट में शिवालिक पर्वतमाला की तलहटी से होकर गुजरती है।
- नेपाल में **रक्सौल** और **जोगबनी** भारत-नेपाल सीमा पर दो एकीकृत चेकपोस्ट हैं।
- वर्तमान में, **भारत और नेपाल के मध्य** कई क्षेत्रों को लेकर **सीमा विवाद** चल रहे हैं: **कालापानी** व भारत, नेपाल और चीन के बीच **लिपुलेख ट्राइजंक्शन** तथा **पश्चिमी चंपारण (बिहार) का सुस्ता क्षेत्र।**

भारत-भूटान सीमा

- भारत और भूटान के बीच **699 किलोमीटर लंबी सीमा** है और यह एक खुली अंतरराष्ट्रीय सीमा है।
- भारत के **चार राज्य** असम, सिक्किम, पश्चिम बंगाल और अरुणाचल प्रदेश की सीमा भूटान से लगती है।
- भूटान, भारत और चीन के मध्य एक बफर राज्य के रूप में कार्य करता है।

भारत की 'चिकन नेक'

'चिकन नेक' भारतीय उपमहाद्वीप में भूमि की एक संकीर्ण पट्टी को संदर्भित करता है, जो **भारत की मुख्य भूमि को उसके उत्तर-पूर्वी राज्यों से जोड़ती** है।

चित्र 1.9: सिलीगुड़ी गलियारा

आधिकारिक तौर पर इसे **'सिलीगुड़ी कॉरिडोर'** के रूप में जाना जाता है, यह भूमि का एक पतला विस्तार है, जो **अपने सबसे संकीर्ण बिंदु पर लगभग 22 किलोमीटर चौड़ा** है, जो भारतीय राज्य **पश्चिम बंगाल में स्थित** है। चिकन नेक पश्चिम बंगाल के उत्तरी भाग में स्थित है और भारत की मुख्य भूमि को पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ने वाले एकमात्र भूमि गलियारे के रूप में कार्य करता है।

भारत-पाकिस्तान सीमा

- भारत और पाकिस्तान **3,323 किलोमीटर लंबी सीमा** साझा करते हैं। भारत और पाकिस्तान को अलग करने वाली सीमा को **रेडक्लिफ रेखा** के नाम से जाना जाता है, जिसका **सीमांकन 17 अगस्त, 1947** को किया गया था।
- सीमा विवाद सामान्यतः **साल्टोरो रिज, सर क्रीक, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर** आदि क्षेत्रों को लेकर है।
- **अटारी (पंजाब)** में भारत-पाकिस्तान सीमा पर एक एकीकृत जाँच चौकी स्थापित की गई है। पैसेंजर टर्मिनल बिल्डिंग (पीटीबी), डेरा बाबा नानक चेकपोस्ट केवल तीर्थयात्रियों के लिए गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब जी के दर्शन के लिए शुरू की गई है।
- **सर क्रीक:** यह कच्छ के रण के दलदल में 96 किलोमीटर लंबी पानी की एक विवादित पट्टी है। यह विवाद पाकिस्तान के सिंध प्रांत और कच्छ के रन क्षेत्र को अलग करने वाली समुद्री सीमा रेखा को लेकर है। इसका महत्त्व इस बात में निहित है कि इसे एशिया का सबसे बड़ा मछली पकड़ने का मैदान माना जाता है।

चित्र 1.10: भारत के सीमावर्ती देश

- **नियंत्रण रेखा (एलओसी):**
  - नियंत्रण रेखा (LoC) भारतीय प्रशासित क्षेत्र **जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तानी प्रशासित क्षेत्र आजाद जम्मू-कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान के बीच एक सैन्य नियंत्रण रेखा** है।
  - यह कश्मीर के विवादित क्षेत्र में वास्तविक सीमा के रूप में कार्य करती है।
  - नियंत्रण रेखा वर्ष **1947-48 में** प्रथम भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद स्थापित की गई थी। भारत और पाकिस्तान के बीच समय-समय पर तनाव और संघर्ष देखा जाता रहा है।

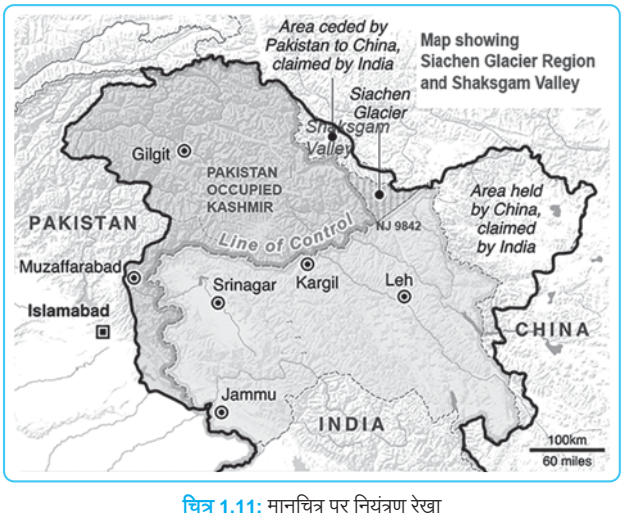

चित्र 1.11: मानचित्र पर नियंत्रण रेखा

- नियंत्रण रेखा को मूल रूप से प्रथम भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद वर्ष **1949 में** युद्धविराम रेखा के रूप में स्थापित किया गया था। बाद में वर्ष **1972 में** शिमला समझौते के बाद इसका नाम बदलकर नियंत्रण रेखा कर दिया गया।

- **सियाचिन ग्लेशियर**
  - सियाचिन ग्लेशियर **हिमालय में पूर्वी काराकोरम रेंज में स्थित है** और इसे पृथ्वी पर सबसे ऊँचे युद्धक्षेत्र के रूप में जाना जाता है। यह क्षेत्र भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष का स्रोत रहा है।
  - **सियाचिन ग्लेशियर** भारत, पाकिस्तान और चीन की सीमाओं के पास स्थित होने के कारण एक रणनीतिक महत्त्व का स्थान है। ग्लेशियर पर नियंत्रण इस क्षेत्र में एक रणनीतिक रूप से लाभप्रद स्थिति प्रदान करता है।

भारत-बांग्लादेश सीमा

- भारत, बांग्लादेश के साथ सबसे लंबी सीमा साझा करता है। दोनों देश परस्पर **4,096 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा** साझा करते हैं।
- वर्ष **2015 का 100वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम** भारत और बांग्लादेश की सरकारों के बीच हुए समझौते और उसके प्रोटोकॉल के अनुसरण में भारत द्वारा क्षेत्रों के अधिग्रहण और कुछ क्षेत्रों को बांग्लादेश को हस्तांतरित करने के लिए भारत के संविधान में संशोधन का प्रस्ताव करता है।
- **रेडक्लिफ अवार्ड** द्वारा भारत और बांग्लादेश के बीच सीमा का निर्माण किया गया, जिसने बंगाल के पूर्व प्रांत को दो भागों में विभाजित किया।
- **भारत के पाँच राज्य** पश्चिम बंगाल, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा और असम, बांग्लादेश के साथ सीमा साझा करते हैं। भारत-बांग्लादेश सीमा पर चार एकीकृत चेक-पोस्ट अगरतला (त्रिपुरा), पेट्रापोल (पश्चिम बंगाल), सुतारकांडी (असम) और श्रीमंतपुर (त्रिपुरा) स्थापित किए गए हैं।
- **पद्मा (गंगा), जमुना (ब्रह्मपुत्र) और तीस्ता** नामक तीन नदियाँ भारत और बांग्लादेश के बीच महत्त्वपूर्ण सीमा-पार नदियाँ हैं। हालाँकि, इन नदियों की उपस्थिति सीमा प्रबंधन को कठिन बना देती है।

भारत-म्यांमार सीमा

- भारत और म्यांमार के मध्य सीमा **1,643 किलोमीटर** लंबी है। भारत और म्यांमार के मध्य स्थलीय और समुद्री सीमाएँ आपस में मिलती हैं।
- **चार उत्तर-पूर्वी राज्य** अर्थात् अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम, म्यांमार के साथ एक अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं।
- भारत और म्यांमार की सीमा पर **मोरेह (मणिपुर)** में एक एकीकृत चेक-पोस्ट स्थापित की गई है।
- **भारत और म्यांमार** के बीच एक मुक्त आवाजाही व्यवस्था (एफ.एम.आर) मौजूद है, जो सीमावर्ती गाँवों में रहने वाले लोगों को व्यापार करने और एक-दूसरे के क्षेत्र के अंदर 16 किलोमीटर तक स्वतंत्र रूप से घूमने की अनुमति देती है।

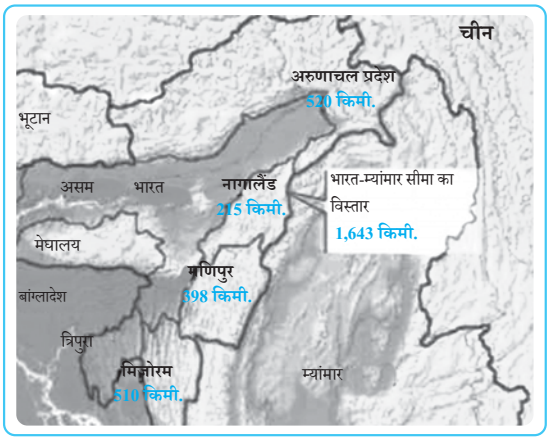

चित्र 1.12: भारत-म्यांमार सीमा

भारत-श्रीलंका सीमा

- भारत और श्रीलंका, **पाक जलडमरूमध्य** और **मन्नार की खाड़ी** नामक समुद्री चैनल द्वारा पृथक होते हैं।
- तमिलनाडु तट पर **धनुषकोडी में एडम्स ब्रिज** का निर्माण करते हुए टापुओं के एक समूह द्वारा **श्रीलंका में जाफना प्रायद्वीप** में **तलाईमनार** से जुड़ता है।

चित्र 1.13: भारत-श्रीलंका

राम सेतु या एडम्स ब्रिज

- **एडम्स ब्रिज,** जिसे **राम ब्रिज या राम सेतु** के नाम से भी जाना जाता है, भारत के तमिलनाडु के दक्षिण-पूर्वी तट पर स्थित **पम्बन द्वीप,** जिसे **रामेश्वरम द्वीप** भी कहा जाता है और उत्तर-पश्चिमी श्रीलंका के तट पर स्थित मन्नार द्वीप के बीच **प्राकृतिक चूना पत्थर की एक श्रृंखला** है।
- हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि इस सेतु का निर्माण भगवान राम ने अपनी पत्नी सीता को रावण से बचाने के लिए किया

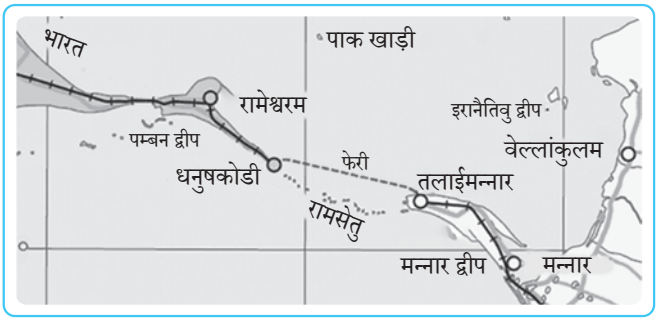

चित्र 1.14: धनुषकोडी और तलाईमन्नार

भारत - अफगानिस्तान

- भारत और अफगानिस्तान के बीच **106 किलोमीटर** लंबी सीमा रेखा है और यह सीमा केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को स्पर्श करती है।
- **डूरंड रेखा:** यह भारत में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को स्पर्श करती है। इसलिए यह पाकिस्तान और अफगानिस्तान को अलग करने वाली सीमा रेखा के साथ-साथ भारत और अफगानिस्तान के बीच की सीमा के रूप में भी कार्य करती है।
- एक ब्रिटिश राजनयिक **सर मोर्टिमर डूरंड** ने वर्ष **1896 में** इसकी सीमाओं का निर्धारण किया था।

भारत - मालदीव

- भारत, मालदीव के साथ समुद्री सीमा साझा करता है। मालदीव, लक्षद्वीप द्वीप के दक्षिण में स्थित है।
- वर्ष **1976 में** भारत और मालदीव ने आधिकारिक तौर पर अपनी समुद्री सीमा का निर्धारण किया।
- **8-डिग्री चैनल** भारतीय द्वीप मिनिकॉय और मालदीव को अलग करता है।
- वर्ष 1976 से पहले, लक्षद्वीप द्वीपसमूह के एक द्वीप मिनिकॉय की स्थिति को लेकर भारत और मालदीव के बीच ऐतिहासिक दावों और भाषाई संबंधों के कारण विवाद उत्पन्न हुआ था।
- राजनयिक वार्ता के माध्यम से आपसी विवाद को शांतिपूर्वक हल किया गया, जिसके परिणामस्वरूप वर्ष **1976 की मैत्री और सहयोग संधि** पर हस्ताक्षर किए गए, जिसने **मिनिकॉय को भारत के क्षेत्र के हिस्से के रूप में पुष्टि की।**

1.6 भारत का राजनीतिक विभाजन

- प्रशासनिक सुविधा के लिए भारत को 28 राज्यों तथा 8 केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के साथ उन्हें जिलों में विभाजित किया गया है। दिल्ली, भारत की राजधानी है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से **राजस्थान सबसे बड़ा राज्य** है वहीं **गोवा सबसे छोटा राज्य** है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का विभाजन मुख्यतः बोली जाने वाली भाषाओं पर आधारित है।
- **राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956** के अनुसार इन राज्यों को पाँच क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है। ये क्षेत्र इस प्रकार हैं:
- उत्तर-पूर्वी राज्यों को **उत्तर-पूर्वी परिषद अधिनियम, 1971** द्वारा बनाए गए एक अलग क्षेत्र में शामिल किया गया है। ये राज्य हैं असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड और मिजोरम। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र को **सात बहनों की भूमि** के रूप में भी जाना जाता है।

भारत की समुद्री सीमाएँ

भारत की समुद्री सीमाएँ समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन द्वारा मान्यता प्राप्त समुद्री सीमाएँ हैं, जिसमें क्षेत्रीय जल, सन्निहित क्षेत्र और विशेष आर्थिक क्षेत्र की सीमाएँ शामिल हैं। भारत की समुद्री सीमाओं के अंतर्गत सात देशों के साथ साझा की जाने वाली **7,000 किलोमीटर (4,300 मील) से अधिक की समुद्री सीमा** शामिल है।

भारत की प्रमुख समुद्री सीमाएँ निम्न प्रकार हैं:

- **प्रादेशिक समुद्र-** आधार रेखा से **12 नॉटिकल मील** तक फैला हुआ क्षेत्र इसमें शामिल होता है।
- **सन्निहित क्षेत्र -** आधार रेखा से **24 नॉटिकल मील** तक फैला हुआ क्षेत्र इसमें शामिल होता है।
- **विशेष आर्थिक क्षेत्र -** आधार रेखा से **200 नॉटिकल मील** तक फैला हुआ क्षेत्र, सिवाय इसके कि जब दो देशों के मध्य का स्थान 400 नॉटिकल मील से कम हो, इसमें शामिल होता है।
- **भारत अपने कई पड़ोसी देशों के साथ समुद्री सीमाएँ साझा करता है। इनमें मुख्य रूप से शामिल हैं:**
  - **पाकिस्तान:** पाकिस्तान के साथ समुद्री सीमा अरब सागर में सीमांकित है। **सर क्रीक क्षेत्र,** भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद का विषय रहा है।
  - **बांग्लादेश:** बांग्लादेश के साथ समुद्री सीमा, स्थल सीमा समझौते द्वारा परिभाषित है, जिस पर वर्ष **1974 में हस्ताक्षर** किए गए थे और बाद में वर्ष **2015 में पुन: इसकी पुष्टि** की गई।
  - **श्रीलंका:** भारत और श्रीलंका के मध्य अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (IMBL) पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाड़ी में स्थित है।
  - **मालदीव:** भारत और मालदीव की समुद्री सीमाएँ हिंद महासागर में स्थित हैं।
- बंगाल की खाड़ी में स्थित अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की अपनी समुद्री सीमाएँ हैं और भारत इन द्वीपों के आसपास के जल पर संप्रभुता रखता है।

भारत में बे (Bay), खाड़ी (Gulf) और जलडमरूमध्य (Strait)

बे (Bay)

यह एक छोटा जल निकाय होता है, जो तीन तरफ से आंशिक रूप से भूमि से घिरा होता है और चौथा हिस्सा समुद्र की ओर खुलता है। आम तौर पर, यह खाड़ी की तुलना में छोटा और कम घिरा हुआ होता है। इसका मुहाना, जहाँ यह सागर से मिलता है, खाड़ी के मुहाने से भी चौड़ा होता हैं।

- **बंगाल की खाड़ी:** हिंद महासागर का पूर्वोत्तर भाग बंगाल की खाड़ी है। यह भारतीय उपमहाद्वीप और इंडोचीन प्रायद्वीप के मध्य में स्थित है। यह विश्व की सबसे बड़ी खाड़ी है और इसका निर्माण, प्लेट विवर्तनिकी के कारण हुआ है।

चित्र 1.15: बंगाल की खाड़ी

- **पाक खाड़ी:** यह भारत के दक्षिण-पूर्वी तट और श्रीलंका के मध्य एक उथला जल निकाय है। यह जल निकाय लगभग 150 किलोमीटर लंबा तथा 57 से 107 किलोमीटर चौड़ा है, जिसकी औसत गहराई 13 मीटर है।

चित्र 1.16: पाक खाड़ी

खाड़ी (Gulf)

खाड़ी (Gulf) जल का एक बड़ा निकाय होता है, जो भूमि में प्रवेश करता है। खाड़ी (Gulf) का मुहाना, जहाँ यह सागर से मिलता है, बे (Bay) की तुलना में संकरा होता है। खाड़ियाँ (Gulf) आकार, रूप और गहराई में अधिक भिन्न होती हैं।

- बे (Bay) की तुलना में, खाड़ियाँ आमतौर पर बड़ी और अधिक गहराई वाली होती हैं।
- बे (Bay) की तरह, खाड़ियाँ अक्सर उत्कृष्ट बंदरगाह बनाती हैं। कई महत्त्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र खाड़ियों (Gulf) में स्थित हैं।

भारत में खाड़ी के उदाहरण:

- **कच्छ की खाड़ी:** यह **अरब सागर का प्रवेश द्वार** है। यह भारत के पश्चिमी तट पर, गुजरात के जामनगर जिले में स्थित है। खंभात की खाड़ी, कच्छ की खाड़ी के दक्षिण में स्थित है। यह कच्छ एवं काठियावाड़ प्रायद्वीप को अलग करती है।
- **खंभात की खाड़ी:** खंभात की खाड़ी (जिसे **कैम्बे की खाड़ी** भी कहा जाता है) भारत के पश्चिमी तट पर अरब सागर में गुजरात राज्य में स्थित है। लगभग **130 किलोमीटर लंबी यह खाड़ी,** काठियावाड़ प्रायद्वीप और गुजरात के दक्षिण-पूर्वी भाग को अलग करती है। नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती नदियाँ इसी खाड़ी में गिरती हैं। खंभात की खाड़ी की गहराई कम है तथा इसमें प्रचुर मात्रा में उथले और रेत के टीले मौजूद हैं।
- **मन्नार की खाड़ी:** यह हिंद महासागर में स्थित है।
  - इसकी सीमा तमिलनाडु के दक्षिण-पूर्वी तट और श्रीलंका के पश्चिमी तट को स्पर्श करती है।
  - इस प्रकार यह भारत और श्रीलंका को अलग करती है। **राम सेतु (एडम्स ब्रिज),** जो निचले द्वीपों और चट्टानों की एक श्रृंखला है, मन्नार की खाड़ी और पाक खाड़ी को अलग करता है।

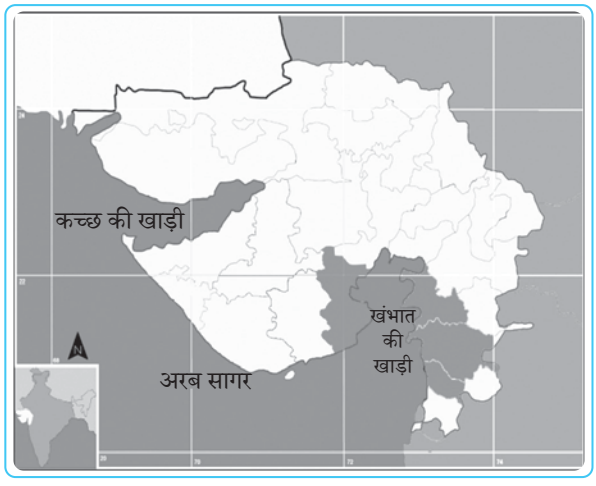

चित्र 1.17: खंभात की खाड़ी

जलडमरूमध्य

बड़े जल निकायों या महाद्वीपों से जुड़ने वाले संकीर्ण जल निकाय को जलडमरूमध्य कहा जाता है। भारत में जलडमरूमध्य का एक उदाहरण पाक जलडमरूमध्य है।

- **पाक जलडमरूमध्य:** यह भारत और श्रीलंका को अलग करता है। पाक जलडमरूमध्य, भारत के तमिलनाडु राज्य और श्रीलंका के जाफना जिले के बीच स्थित है।
  - यह उत्तर-पूर्व में बंगाल की खाड़ी और दक्षिण-पश्चिम में पाक खाड़ी के बीच एक संपर्क कड़ी के रूप में कार्य करता है।
  - **तमिलनाडु की वैगई नदी** कई अन्य नदियों के साथ मिलकर पाक जलडमरूमध्य में जाकर समुद्र में मिल जाती है।

महत्त्वपूर्ण चैनल

'चैनल' प्राकृतिक या कृत्रिम जलमार्गों को संदर्भित करते हैं, जो जल के प्रवाह को सुविधाजनक बनाते हैं तथा एक जल निकाय को दूसरे जल निकाय से जोड़ते हैं।

- **8-डिग्री चैनल:** 8-डिग्री चैनल हिंद महासागर में **मिनिकॉय द्वीप (कोरल द्वीप) और मालदीव के मध्य** स्थित है।
- **9-डिग्री चैनल:** 9-डिग्री चैनल अरब सागर में **लक्षद्वीप द्वीपसमूह और में मिनिकॉय द्वीप के मध्य** स्थित है।
- **10-डिग्री चैनल:** 10 डिग्री चैनल बंगाल की खाड़ी में **लघु अंडमान और कार निकोबार द्वीप** (निकोबार द्वीप समूह का सबसे उत्तरी भाग) को अलग करता है।

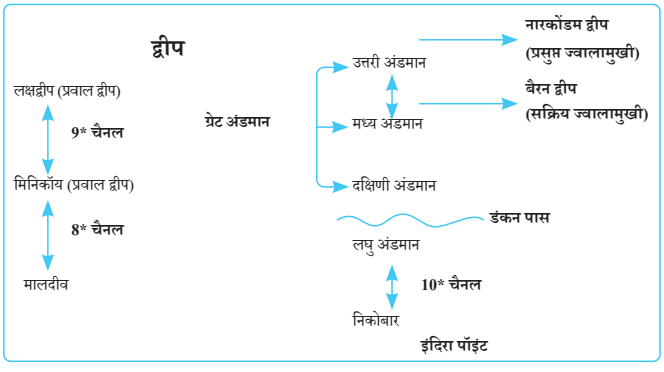

भारत के समुद्री सीमा विवाद

पाक खाड़ी

पाक खाड़ी मुद्दा **भारत और श्रीलंका के बीच** पाक खाड़ी के उपयोग को लेकर लंबे समय से चले आ रहे समुद्री विवाद को संदर्भित करता है, जो कि भारत के दक्षिण-पूर्वी तट और श्रीलंका के उत्तरी तट के बीच स्थित उथले जल का भंडार है।

मुख्य बिंदु:

- **मछली पकड़ने का अधिकार:** भारत और श्रीलंका दोनों के स्थानीय मछुआरे पारंपरिक रूप से मछली पकड़ने की गतिविधियों के लिए पाक खाड़ी पर निर्भर रहते हैं। हालाँकि, इस क्षेत्र में मछली पकड़ने के अधिकार को लेकर विवाद उत्पन्न होते रहते हैं। भारतीय मछुआरे अक्सर श्रीलंका द्वारा दावा किए जाने वाले जलक्षेत्र में चले जाते हैं, जिससे दोनों पक्षों के बीच तनाव उत्पन्न हो जाता है।
- **समुद्री सीमाएँ:** पाक खाड़ी में समुद्री सीमाएँ स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं हैं, जिससे इस बात पर असहमति है कि भारत और श्रीलंका के मध्य अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा कहाँ स्थित होनी चाहिए।
- **संकीर्ण जलक्षेत्र:** पाक खाड़ी अपेक्षाकृत संकीर्ण है और इसका जल मछुआरों और उनकी नौकाओं के आवागमन के लिए महत्त्वपूर्ण है। इस क्षेत्र में भारत और श्रीलंका के तटों की निकटता सीमाओं और मछली पकड़ने के अधिकारों के निर्धारण में जटिलता बढ़ाती है।
- **संकीर्ण जलक्षेत्र:** पाक खाड़ी अपेक्षाकृत संकीर्ण है और इसका जल मछुआरों और उनकी नौकाओं के आवागमन के लिए महत्त्वपूर्ण है। इस क्षेत्र में भारत और श्रीलंका के तटों की निकटता सीमाओं और मछली पकड़ने के अधिकारों के निर्धारण में जटिलता बढ़ाती है।
- **गिरफ्तारियाँ और संघर्ष:** पिछले कुछ वर्षों में भारतीय और श्रीलंकाई मछुआरों के बीच गिरफ्तारी और संघर्ष की घटनाएँ सामने आई हैं। एक देश के मछुआरे अनजाने में दूसरे देश के दावे वाले जल क्षेत्र में प्रवेश कर जाते हैं, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर गिरफ्तारियाँ और राजनयिक तनाव सामने आते हैं।

दोनों देशों द्वारा राजनयिक वार्ता के माध्यम से इस मुद्दे को हल करने के प्रयास किए गए हैं। दोनों पक्षों के मछुआरों के हितों को ध्यान में रखते हुए समस्या का पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान खोजने के लिए आपसी वार्ता हुयी है।

सर-क्रीक विवाद

सर क्रीक मुद्दा **भारत और पाकिस्तान के मध्य** सर क्रीक पर लंबे समय से चला आ रहा क्षेत्रीय विवाद है, जो भारतीय राज्य **गुजरात और पाकिस्तानी प्रांत सिंध की सीमा पर 96 किलोमीटर लंबा मुहाना** है। यह विवाद मुख्य रूप से सर क्रीक क्षेत्र में समुद्री सीमा के सीमांकन से संबंधित है, जिसका मुहाना अरब सागर है।

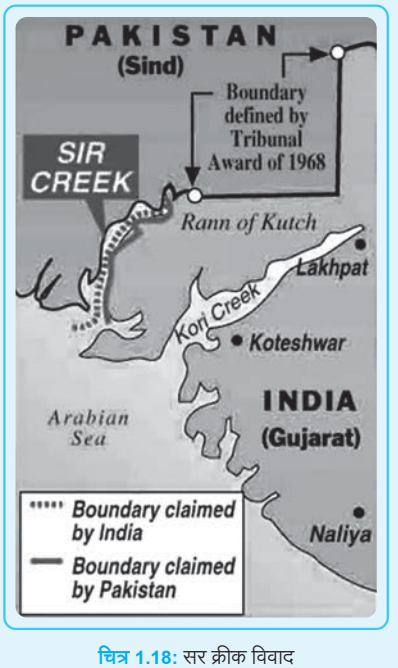

चित्र 1.18: सर क्रीक विवाद

समुद्री चोक पॉइंट

- एक चोक पॉइंट, **दो व्यापक और अधिक महत्त्वपूर्ण नौगम्य मार्ग के साथ-साथ प्राकृतिक रूप से संकीर्ण मार्ग को संदर्भित** करता है। समुद्री चोक पॉइंट स्वाभाविक रूप से संकीर्ण शिपिंग चैनल हैं, जहाँ उनके रणनीतिक स्थानों के कारण उच्च यातायात होता है।

चित्र 1.19: हिंद महासागर में चोक प्वाइंट

- कई प्रमुख समुद्री चोक पॉइंट हिंद महासागर के भीतर या उसके निकट स्थित हैं, जो वैश्विक शिपिंग मार्गों को प्रभावित करते हैं। कुछ महत्त्वपूर्ण चोक पॉइंट में निम्नलिखित शामिल हैं:
  - **होर्मुज जलडमरूमध्य:** यह फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। यह तेल परिवहन के लिए एक महत्त्वपूर्ण मार्ग है, जहाँ से विश्व के तेल परिवहन का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा गुजरता है।
  - **बाब अल मंडेब:** यह लाल सागर को अदन की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। यह समुद्री व्यापार के लिए महत्त्वपूर्ण है, विशेष रूप से स्वेज नहर से आवागमन करने वाले पोतों के लिए।
  - **मलक्का जलडमरूमध्य:** मलय प्रायद्वीप और इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप के मध्य स्थित, यह वैश्विक स्तर पर सबसे महत्त्वपूर्ण शिपिंग चैनलों में से एक है, जो हिंद महासागर को दक्षिण चीन सागर से जोड़ता है।
  - **लोम्बोक जलडमरूमध्य:** इंडोनेशिया में बाली और लोम्बोक द्वीपों के मध्य स्थित, यह हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री यातायात के लिए एक और प्रमुख मार्ग है।

1.7 निष्कर्ष

भारत विशाल विविधताओं वाला एक अद्वितीय देश है, जहाँ असंख्य भौतिक विशेषताएँ, जलवायु और पारिस्थितिकी तंत्र हैं। हिमालय की ऊँची चोटियों से लेकर गंगा के विस्तृत जलोढ़ मैदानों के साथ-साथ, थार के रेगिस्तान के शुष्क प्रदेश तक विस्तारित भारत की स्थलाकृति, देश की भू-वैज्ञानिक समृद्धि का एक जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करती है। गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र और सिंधु समेत कई नदियों का जटिल संयोजन, कृषि गतिविधियों को बनाए रखता है

❖ ❖ ❖

₹ 379/-

PHYSICS WALLAH
PUBLICATION

PW APP | PW IAS WEB | MPSC YT | MPSC Batch

www.pw.live
www.pwonlyias.com

Talk to our Counselor give a
Missed Call on: +91-9920613613

ISBN 978-81-976753-6-2